बार्थोलोम्यू कबिन्स

की 500 टोपियाँ

डॉ. जॉयस

शुरुआत में, बार्थोलोम्यू कबिन्स के पास पाँच सौ टोपियाँ नहीं थीं. उसके पास केवल एक टोपी थी. और वो एक पुरानी टोपी थी जो उसके पिता की थी और उससे पहले उसके पिता के पिता यानि दादाजी की थी. वह शायद पूरे डिड साम्राज्य में, जहां बार्थोलोम्यू कबिन्स रहता था, सबसे पुरानी और सबसे सादा टोपी थी. लेकिन बार्थोलोम्यू को वह पसंद थी - विशेषकर उसके पंख के कारण जो हमेशा हवा में सीधा ऊपर की ओर इशारा करता था.

डिड साम्राज्य पर राजा डर्विन का शासन था. राजा का महल पहाड़ की चोटी पर ऊँचाई पर खड़ा था. अपनी बालकनी से, वो अपनी प्रजा के सभी घरों को देख सकता था - सबसे पहले, रईसों के महलों की छतों को, अमीरों की हवेलियों की चौड़ी छतों को, फिर शहरवासियों के छोटे घरों को, और अंत में दूर खेतों में किसानों की झोपड़ियों को.

वह एक शक्तिशाली दृश्य था और उससे राजा डर्विन खुद को अत्यधिक महत्वपूर्ण महसूस करता था.

दूर खेतों में, क्रैनबेरी दलदल के किनारे, कबिन्स परिवार की झोपड़ी थी. अपने छोटे दरवाजे से बार्थोलोम्यू ने किसानों की झोपड़ियों से लेकर शहरवासियों के घरों तक, फिर अमीरों की हवेलियों और रईसों के महलों तक, राजा के विशाल विशाल महल तक को देखा. यह बिल्कुल वही दृश्य था जो किंग डर्विन ने अपनी बालकनी से देखा था, लेकिन बार्थोलोम्यू ने उसे पीछे की ओर से देखा.

वह एक शक्तिशाली दृश्य था, लेकिन उसने बार्थोलोम्यू कबिन्स को काफी छोटा महसूस कराया.

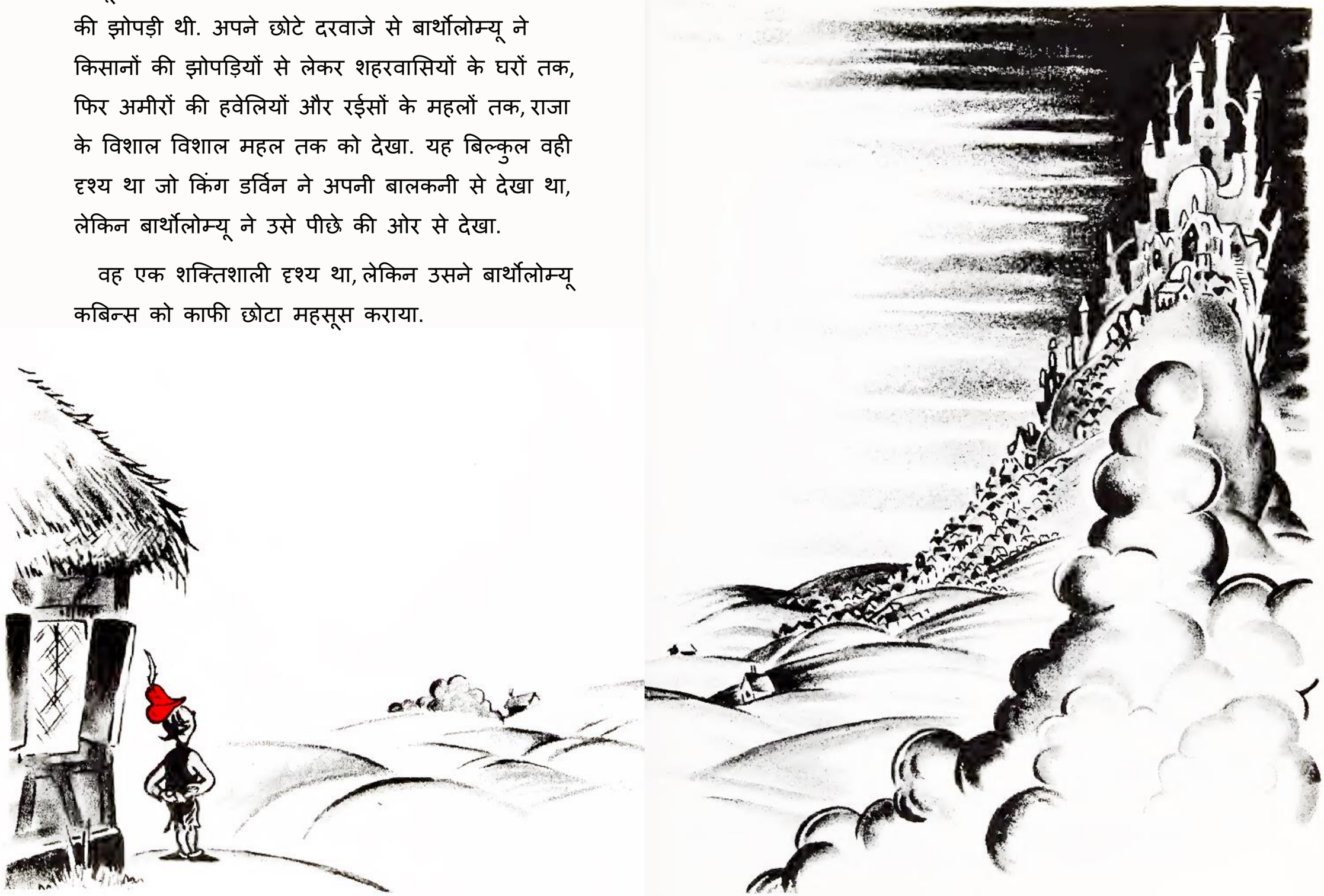

एक शनिवार की सुबह सूर्योदय के तुरंत बाद बार्थोलोम्यू शहर के लिए रवाना हुआ. उसे बहुत ख़ुशी हुई. उसकी टोपी में लगे पंख से एक सुखद हवा का झोंका आया. उसके दाहिने हाथ में बाजार में बेचने के लिए क्रैनबेरी की एक टोकरी थी. वह उन्हें जल्दी से बेचकर उनके पैसे अपने माता-पिता को देने के लिए उत्सुक था.

वह नगर के द्वार तक पहुंचने के लिए तेजी से चला.

चाँदी की तुरही की ध्वनि हवा में गूँज उठी. पथरीली सड़कों पर खुरों की थापों से गड़गड़ाहट हो रही थी.

"रास्ते से हटो! रास्ते से हटो! राजा के लिए रास्ता छोड़ो!"

सभी लोग फुटपाथ की ओर दौड़ पड़े. लोगों ने रास्ता साफ़ करने के लिए अपनी गाड़ियाँ सड़क के पत्थरों के ऊपर तक चढ़ाईं. बार्थोलोम्यू ने अपनी टोकरी कसकर पकड़ ली.

सड़क के कोने पर पीले वस्त्रधारी पचास तुरही बजाने वाले अपने घोड़ों पर दौड़ रहे थे. उनके पीछे लाल रंग के कपड़े पहने घोड़ों पर सवार राजा के अपने रक्षक थे.

"राजा को सलाम!" राजा के रक्षकों का कैप्टन चिल्लाया.

राजा की गाड़ी आई - सफेद, सुनहरी और बैंगनी. वह संकरी गली में आसमान में बिजली की तरह गड़गड़ा रही थी.

गाड़ी, बार्थोलोम्यू से आगे निकल गई. तभी अचानक गाड़ी के शक्तिशाली ब्रेक से एक चीख़ निकली. फिर गाड़ी लड़खड़ाई—और फिर रुकी. पूरा जुलूस वहीं खड़ा रहा.

बार्थोलोम्यू ने जो देखा उसे शायद ही उस पर विश्वास हुआ. गाड़ी के बगल वाली खिड़की से, राजा खुद पीछे की ओर देख रहे थे - सीधे उसकी ओर! वो नज़ारा देख बार्थोलोम्यू कांपने लगा.

"पीछे चलो!" राजा ने शाही कोचमैन को आदेश दिया.

शाही कोचमैन, शाही घोड़ों पर चिल्लाया. राजा के रक्षक, लाल रंग के वस्त्र पहने घोड़ों पर चिल्लाए. तुरही बजानेवाले अपने पीले वस्त्र पहने घोड़ों पर चिल्लाए. बहुत धीरे-धीरे पूरा जुलूस सड़क पर उलटी दिशा में चला. फिर राजा की गाड़ी बार्थोलोम्यू के ठीक सामने आकर रुकी.

राजा अपनी गाड़ी की खिड़की से झुके और उन्होंने अपनी नज़र सीधे बार्थोलोम्यू कबिन्स पर टिका दी. "अच्छा अच्छा... ?" उन्होंने मांग की.

बार्थोलोम्यू डर से काँप उठा. "शायद मुझे कुछ कहना चाहिए," उसने मन-ही-मन सोचा. लेकिन क्या कहे वो उसे नहीं सूझा.

"ठीक है?" राजा से फिर मांग की. "क्या तुम्हें अपने राजा के सामने अपनी टोपी उतारनी चाहिए या नहीं?"

"हाँ, सचमुच, महामहिम," बार्थोलोम्यू ने बड़ी राहत महसूस करते हुए उत्तर दिया. "मैं राजा के सामने अपनी टोपी ज़रूर उतारता हूँ."

"तो फिर अपनी टोपी को इसी क्षण उतारो," राजा ने पहले से भी अधिक जोर से आदेश दिया.

"लेकिन, महामहिम, मैंने टोपी पहले सए ही उतारी है," बार्थोलोम्यू ने उत्तर दिया.

"इतनी गुस्ताखी!" गुस्से में उंगली हिलाते हुए राजा चिल्लाया. "तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई वहां खड़े होकर मुझसे कहने की कि तुम ने टोपी उतारी है!"

"मुझे यह कहना ठीक नहीं लगता है कि आप भी गलती कर सकते हैं, महामहिम," बार्थोलोम्यू ने बहुत विनम्रता से कहा, "लेकिन आप देख रहे हैं कि मैंने अपनी टोपी उतारी है." और उसने राजा को अपने हाथ वाली टोपी दिखाई.

"अगर टोपी तुम्हारे हाथ में है," राजा ने पूछा, "तो फिर तुम्हारे सिर पर क्या है?"

"मेरे सिर के ऊपर?" हांफते हुए बार्थोलोम्यू को ऐसा लगा जैसे उसके सिर पर कुछ हो. उसने अपना हाथ उठाया और सिर पर एक टोपी को छुआ!

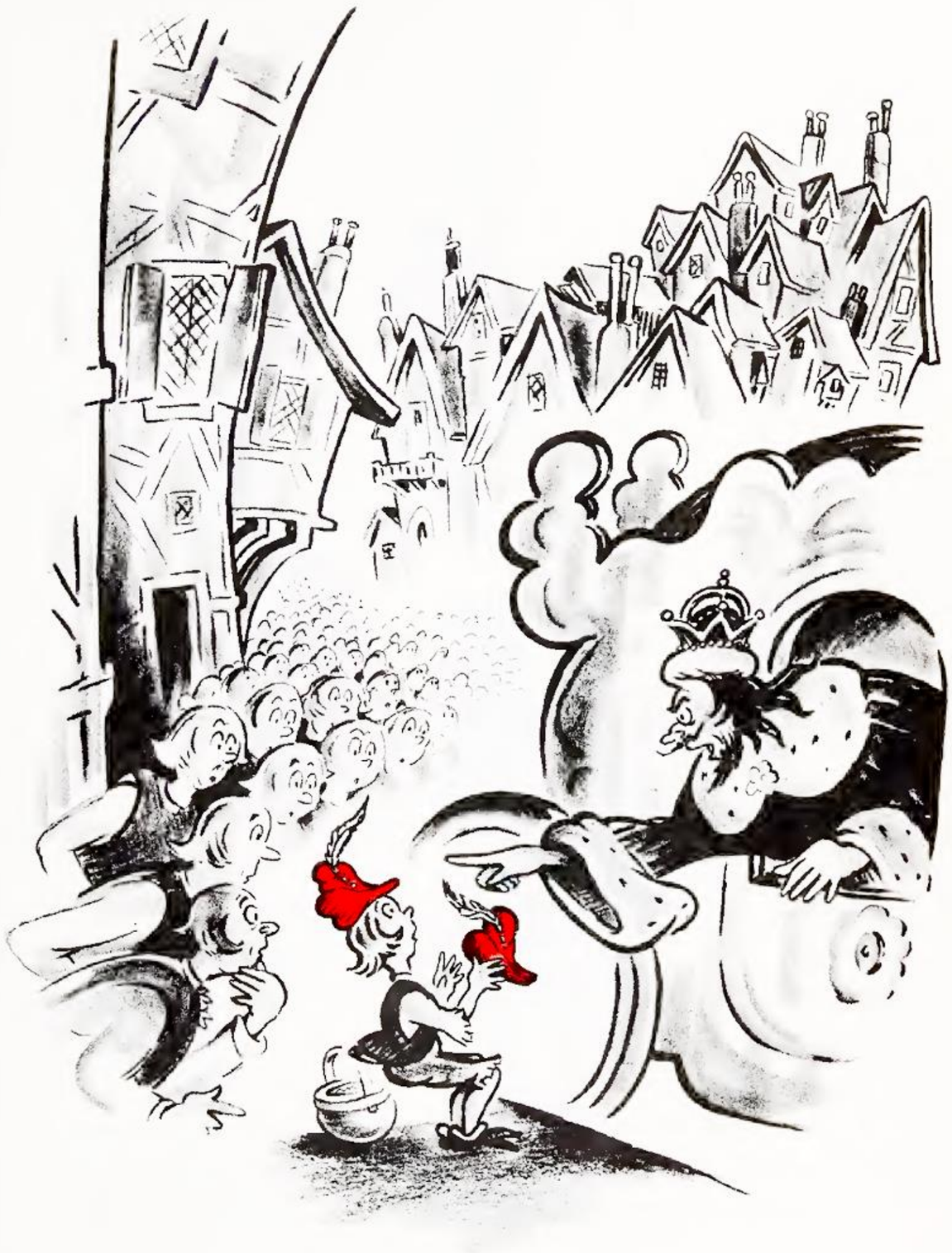

बार्थोलोम्यू कबिन्स का चेहरा एकदम लाल हो गया. "वह एक टोपी है, सर," उसने हकलाते हुए कहा, "लेकिन वह मेरी नहीं हो सकती. मेरे पीछे से किसी ने उसे मेरे सिर पर रख दिया होगा."

"मुझे इसकी परवाह नहीं है कि वह टोपी वहां कैसे पहुंची," राजा ने कहा, “तुम उसे तुरंत उतार दो.” और फिर राजा वापस अपनी गाड़ी में बैठ गए.

बार्थोलोम्यू ने तुरंत सिर वाली टोपी उतारी. वह आश्चर्य से देखता रह गया. वो एकदम उसकी अपनी टोपी जैसी ही थी - वही आकार, वही रंग. और उसका पंख भी बिल्कुल वैसा ही था.

"अपने पिता के मुकुट की सौगंध से!" राजा फिर से गाड़ी की खिड़की से बाहर झुकते हुए गरजा. "क्या मैंने तुम्हें अपनी टोपी उतारने का आदेश दिया था या नहीं?"

"आपने दिया था, महामहिम... और मैंने वही किया! ... मैंने टोपी को दो-बार उतारा."

"बकवास! तुम्हारे सिर पर अभी भी एक टोपी है."

"एक और टोपी?" बार्थोलोम्यू ने फिर से अपना हाथ बढ़ाया और एक टोपी को छुआ.

"अच्छा बताओ इस सबका क्या मतलब है?" राजा से मांग की, उसका चेहरा गुस्से से बैंगनी हो गया.

"मैं नहीं जानता, महाराज," बार्थोलोम्यू ने उत्तर दिया. "मेरे साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ."

राजा अब इतने क्रोध से काँप रहा था कि गाड़ी के पहिए हिलने लगे और शाही कोचवान मुश्किल से ही अपनी जगह पर बैठ सका. "इस नम्बरी चालबाज को गिरफ्तार करो," राजा ने अपने रक्षक गार्ड्स के कप्तान से चिल्लाकर कहा. "हम उसे टोपी उतारना सिखाएँगे."

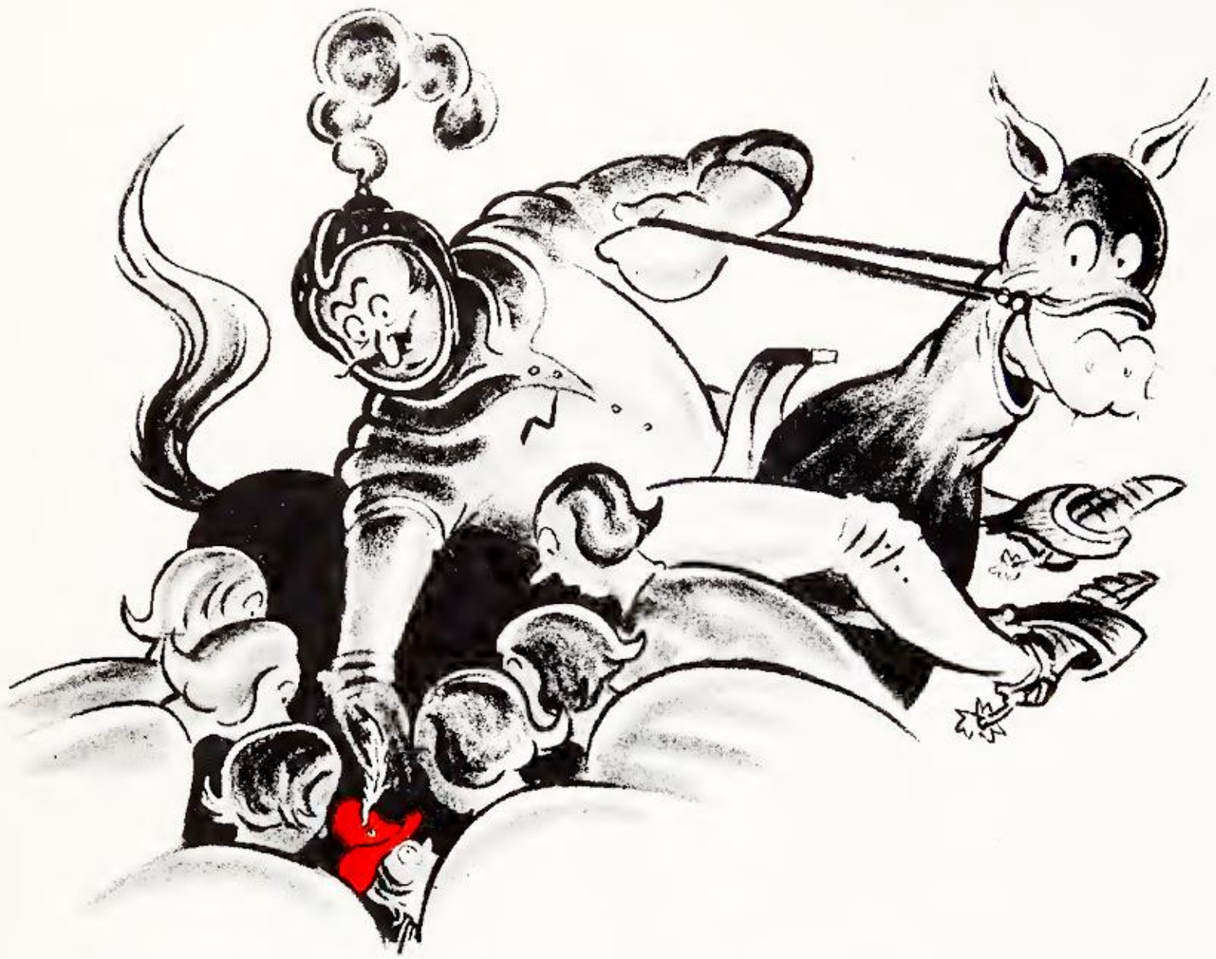

शाही कोचमैन ने अपना लंबा चाबुक मारा. फिर राजा की गाड़ी महल की ओर सड़क पर आगे बढ़ी.

लेकिन राजा के रक्षकों का कैप्टन अपनी बड़ी पीतल की काठी से नीचे झुका और उसने बार्थोलोम्यू कबिन्स को उसकी शर्ट से पकड़ कर ऊपर उठा लिया. बार्थोलोम्यू की टोकरी गिर गई! सारी क्रैनबेरी, पत्थरों पर उछलकर नीचे नाली में लुढ़क गईं.

फिर घोड़े की नालों की गड़गड़ाहट के साथ, कैप्टन और बार्थोलोम्यू घुमावदार सड़क से महल की ओर बढ़े. संकरी गलियों से होते हुए, पहाड़ी के ऊपर! बार्थोलोम्यू, कैप्टन की चौड़ी पीठ से चिपककर बैठा. वे धनी व्यापारियों के उजले बगीचों को पार करते हुए सरपट दौड़ते रहे. ऊंचे और ऊंचे पहाड़ पर, वे रईसों के महलों की दीवारों को पीछे छोड़ते हुए ....

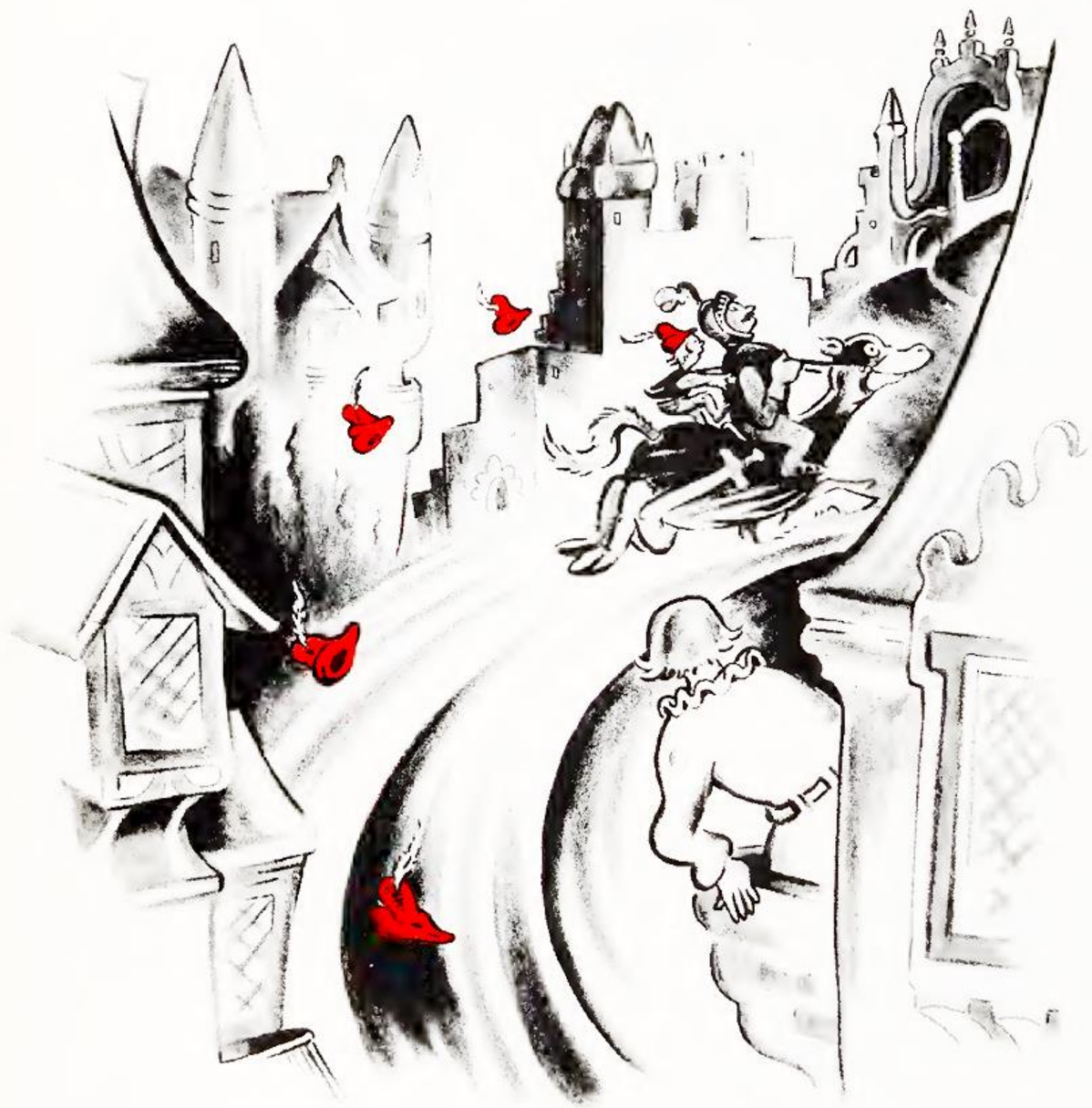

फ़्लुप्प!... तेज़ हवा बार्थोलोम्यू की एक टोपी उड़ा ले गई. फ़्लुप्प फ़्लुप्प . . . दो और टोपियां उड़ गईं. फ़्लुप्प फ़्लुप्प फ़्लुप्प ने एक और टोपी ने उड़ान भरी. . . और फिर दूसरी. "... 4 ... 5 ... 6 ... 7 ..." बार्थोलोम्यू गिनता रहा क्योंकि टोपियां तेजी से, और तेजी से उड़ रही थीं. शाही लोग अपने बुर्ज की खिड़की से उसे घूर रहे थे, सोच रहे थे कि उन टोपियों की अजीब धारा का क्या मतलब हो सकता है.

वे महल के खुलने वाले पुल (ड्रॉ-ब्रिज) के ऊपर से तेजी से बढ़े - बड़े द्वारों से होते हुए. और फिर महल के आँगन में पहुंचकर कैप्टन ने लगाम खींची.

"महामहिम, सिंहासन कक्ष में तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहे हैं," एक गार्ड ने कैप्टन को सलाम करते हुए कहा.

"सिंहासन कक्ष!" कैप्टन ने बार्थोलोम्यू को ज़मीन पर उतारा. "मुझे निश्चित रूप से तुम्हारी जगह पर होना पसंद नहीं होता," उसने उदासी से अपना सिर हिलाते हुए कहा.

एक क्षण के लिए बार्थोलोम्यू बुरी तरह भयभीत हो गया. "फिर भी," उसने मन ही मन सोचा, "राजा मुझे सज़ा देने के लिए कुछ भी भयानक नहीं कर सकते हैं, क्योंकि मैंने वास्तव में कुछ भी गलत नहीं किया है. इसलिए डर महसूस करना कायरता होगी."

बार्थोलोम्यू ने अपने कंधे पीछे किए और वो सीधे महल में आगे बढ़ा. "काले कालीन पर चलते रहो," दरवाजे पर मौजूद गार्ड ने कहा. पूरे लंबे गलियारे में बार्थोलोम्यू को, भारी दरवाजों के पीछे से बड़बड़ाती आवाजें सुनाई दे रही थीं. "वह अपनी टोपी नहीं उतारेगा?" "नहीं, वह अपनी टोपी नहीं उतारेगा."

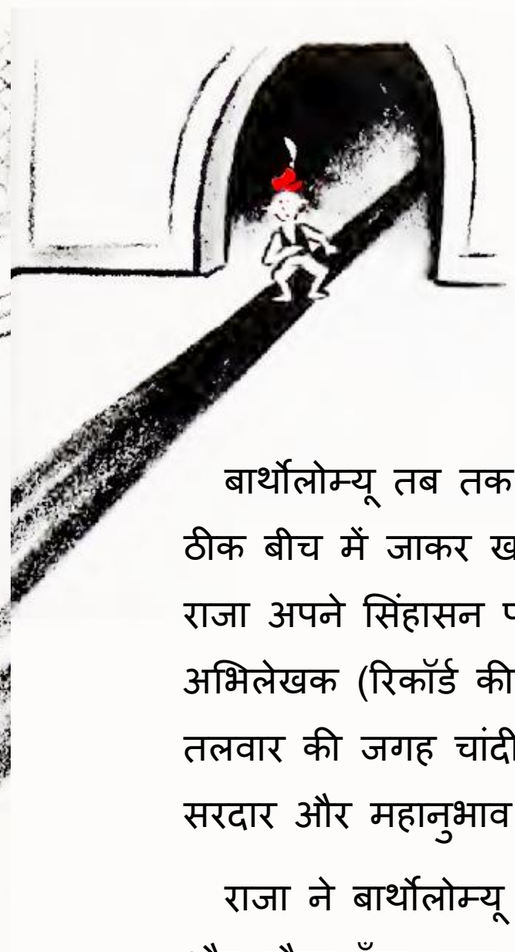

बार्थोलोम्यू तब तक चलता रहा जब तक वह सिंहासन कक्ष के ठीक बीच में जाकर खड़ा नहीं हो गया. लंबे लाल रंग के वस्त्र में राजा अपने सिंहासन पर बैठे थे. उनकी बगल में राजा के प्रमुख अभिलेखक (रिकॉर्ड कीपर) सर अलारिक खड़े थे. वह अपनी बेल्ट में तलवार की जगह चांदी का एक लंबा पैमाना घुसाय था. दरबार के सरदार और महानुभाव गंभीर और मौन खड़े थे.

राजा ने बार्थोलोम्यू को गंभीरता से देखा. "नौजवान, मैं तुम्हें एक और मौका दूँगा. क्या तुम अपने राजा के लिए अपनी टोपी उतारोगे?"

"महामहिम," बार्थोलोम्यू ने यथासंभव विनम्रता से कहा, "मैं वो ज़रूर करूंगा - लेकिन मुझे डर है कि उससे कोई फायदा नहीं होगा." फिर उसने अपनी टोपी उतारी, लेकिन उससे वाकई में कोई फायदा नहीं हुआ. बार्थोलोम्यू के सिर पर एक और टोपी आ गई. वह एक के बाद एक टोपी उतारता रहा जब तक कि उसके सामने टोपियों का बड़ा ढेर नहीं हो गया.

वो देखकर सरदार और कुलीन लोग इतने आश्चर्यचकित हुए कि वे बोल भी नहीं पाए. राजमहल में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था.

"हे भगवान!" रिकॉर्ड्स के संरक्षक सर अलारिक ने अपने तिकोने चश्मे के पीछे पलकें झपकाते हुए कहा. "उसने अभी तक 45 टोपियां उतारी हैं!"

"तीन उसने शहर में उतारी थीं," राजा ने कहा.

बार्थोलोम्यू ने मदद करने की कोशिश करते हुए जोड़ा, "और आपको 87 टोपियां और जोड़ना चाहिए, जो पहाड़ी पर चढ़ते समय मेरे सिर से उड़ गई थीं."

"एक सौ पैंतीस टोपियाँ! एकदम असामान्य," सर अलारिक ने वो आंकड़ा अपनी लंबी पुस्तक में दर्ज़ करते हुए कहा.

"बताओ," राजा ने अधीरता से कहा. "सर अलारिक, आप इस सब बकवास का क्या मतलब निकालते हैं?"

"वो बहुत गंभीर बकवास है, महामहिम," सर अलारिक ने उत्तर दिया. "मैं आपको टोपियों के विशेषज्ञ को बुलाने की सलाह दूंगा."

"बहुत बढ़िया," राजा ने सहमति व्यक्त की. "गार्ड! सभी महान राजाओं के लिए टोपियाँ बनाने वाले सर स्निप्स को तुरंत हाज़िर करो."

बार्थोलोम्यू ने अब तक देखी गई सबसे ऊंची टोपी पहने एक सबसे छोटे आदमी को सिंहासन-कक्ष में प्रवेश करते हुए देखा. वो सर स्निप्स थे. तलवार के स्थान पर, उन्होंने अपनी बगल में कैंची की एक बड़ी जोड़ी खोंस रखी थी.

"इस लड़के की टोपी पर एक नज़र डालें," राजा ने आदेश दिया. सर स्निप्स ने बार्थोलोम्यू कबिन्स की टोपी को देखा और घृणा से उसे सूँघा. फिर वह राजा की ओर मुड़े और झुके. "महामहिम, मैं, सर स्निप्स, मैंने सभी अच्छे राजाओं के लिए टोपियां बनाई हैं. मैं सोने, बढ़िया रेशम और रत्नों और शुतुरमुर्ग के पंखों से टोपी बनाता हूं. आपने मुझसे पूछा कि मैं इस टोपी के बारे में क्या सोचता हूं? देखिये महामहिम, ये एक सबसे साधारण टोपी जिस पर मेरी नज़र अब तक पड़ी है."

राजा ने कहा, "फिर तुम्हारे लिए उसे उतारना बहुत आसान होगा."

"वास्तव में सरल," सर स्निप्स अहंकारपूर्वक बुदबुदाए, और फिर अपने पंजों पर खड़े होकर, उन्होंने बार्थोलोम्यू की टोपी पर अपना मोटा अंगूठा दबाया और उसे फर्श पर गिरा दिया. तुरंत बार्थोलोम्यू के सिर पर एक और टोपी दिखाई दी.

"बाप रे!" सर स्निप्स अपनी ऊंचाई से भी अधिक ऊंची हवा में छलांग लगाते हुए चिल्लाए. फिर वो मुड़े और सिंहासन-कक्ष से बाहर चिल्लाते हुए भागे.

"हे भगवान!" राजा ने बहुत हैरान होते हुए कहा. "अगर स्निप्स ऐसा नहीं कर सकता, तो यह एक सामान्य टोपी से कहीं अधिक होगी."

"एक सौ छत्तीस," सर अलारिक ने अपनी भौंहें सिकोड़ते हुए लिखा. "महामहिम, मेरी सलाह है कि आप अपने बुद्धिमान लोगों को बुलाएँ."

"बढ़िया विचार!" राजा ने कहा. "गार्ड! नड्ड को मेरे सामने लाओ. नड्ड को मेरे पूरे राज्य की हर चीज़ के बारे में जानता है."

फिर एक बहुत एक बूढ़ा आदमी अंदर आया. उसने बार्थोलोम्यू की टोपी को देखा, और फिर उसने फर्श पर टोपियों के ढेर को देखा.

"नड्ड, मेरे बुद्धिमान आदमी, क्या तुम उस लड़के की टोपी को उतार सकते हो?" राजा ने पूछा. नड्ड ने गंभीरता से अपना सिर हिलाया.

"तो फिर नड्ड के पिता को मेरे पास बुलाकर लाओ," राजा ने आदेश दिया. "वह मेरे पूरे राज्य और उससे परे की दुनिया की हर चीज़ के बारे में जानते हैं."

फिर एक और भी अधिक उम्र का आदमी अंदर आया. लेकिन जब उन्होंने बार्थोलोम्यू की टोपियों को देखा, तो नड्ड के पिता ने केवल अपनी उंगलियां दाढ़ी पर रखीं और कुछ नहीं कहा.

"तो फिर नड्ड के पिता के पिता को लाओ!" राजा ने आदेश दिया

"वह मेरे राज्य की हर चीज़ के बारे में जानता है, उससे परे की दुनिया में, और अन्य सभी संभव दुनियों के बारे में भी जानता है."

फिर उन सबमें सबसे बुजुर्ग आदमी अंदर आया. लेकिन उसने बस बार्थोलोम्यू को देखा और घबराहट से अपनी दाढ़ी के सिरे को खुजलाया.

"क्या इसका मतलब यह है कि मेरे पूरे राज्य में कोई भी ऐसा नहीं है जो इस लड़के की टोपी उतार सके?" भयानक आवाज में राजा चिल्लाया.

तभी बालकनी की खिड़की से एक हल्की सी आवाज आई. "क्या बात है, अंकल डर्विन?" बार्थोलोम्यू को यह किसी लड़के की आवाज जैसी लगी.

राजा बालकनी से बाहर निकला और संगमरमर की रेलिंग पर झुका. "देखो, यहाँ एक लड़का है...लगभग तुम्हारी ही उम्र का." राजा ने कहा, "लेकिन वो अपनी टोपी नहीं उतार रहा है."

बार्थोलोम्यू दबे पाँव राजा के पीछे गया और उसने नीचे झांककर देखा. वहाँ बड़ी लेस का कॉलर पहने एक लड़का खड़ा था - एक बहुत घमंडी छोटा लड़का जिसकी नाक हवा में थी. वह राजा का भतीजा ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड था.

"आप उसे यहां भेज दें," ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड ने कहा, "मैं उसे ठीक कर दूंगा."

राजा ने एक मिनट के लिए सोचा. उसने अपना मुकुट पीछे धकेला और अपना सिर खुजलाया. "ठीक है... शायद तुम वो कर पाओ. कोशिश करने में कोई नुकसान नहीं है."

"उसे ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड के पास ले जाओ!" राजा को आदेश दिया. फिर राजा के दो रक्षक बार्थोलोम्यू को सिंहासन कक्ष से बाहर ले गए.

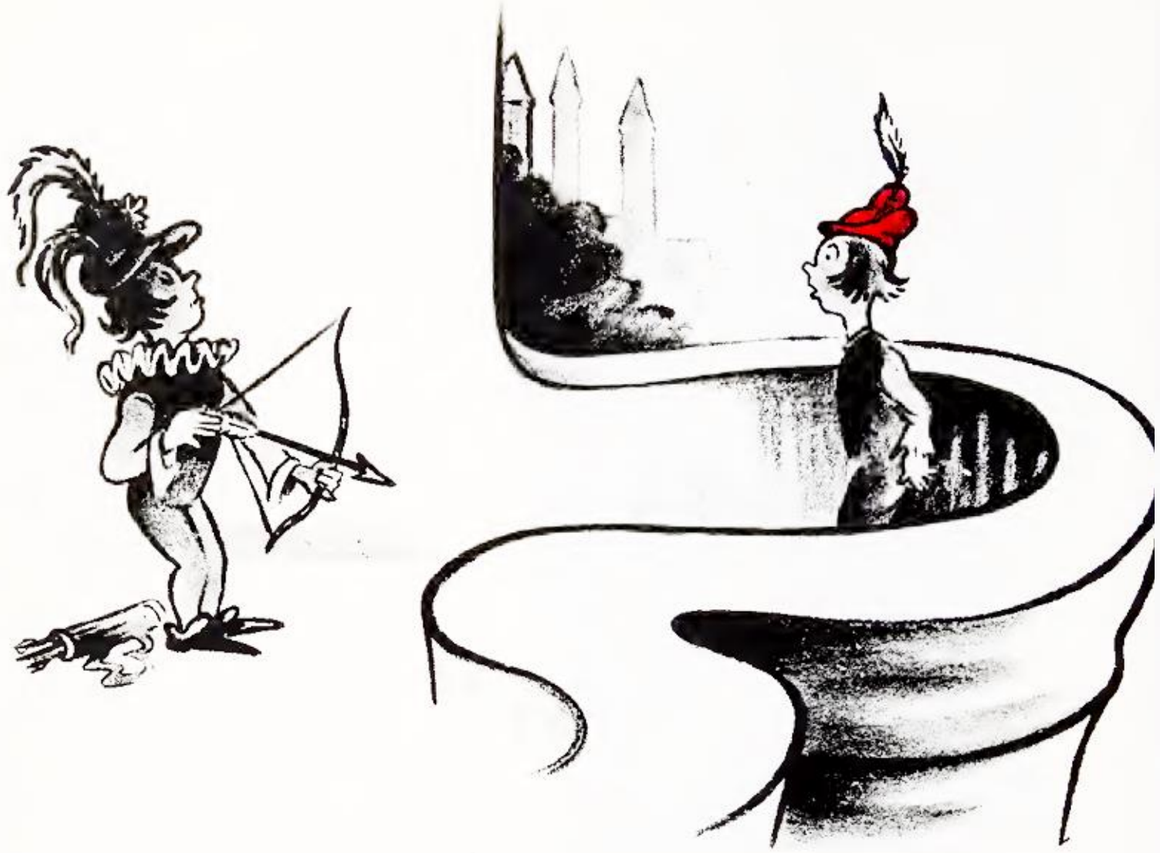

"उह!" ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड ने बार्थोलोम्यू की टोपी को देखते हुए बुरी तरह हंसते हुए कहा. "वह टोपी नहीं उतरेगा? तुम वहाँ खड़े रहो." उसने एक कोने की ओर इशारा किया जहाँ दीवार गोलाकार थी. "मुझे अपने धनुष और तीर के साथ कुछ निशानेबाज़ी का अभ्यास करने की ज़रुरत है."

जब बार्थोलोम्यू ने देखा कि ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड के पास केवल सिर्फ बच्चों वाला धनुष था तो उसे डर नहीं लगा. वह गर्व से बोला, "मैं अपने पिता के बड़े धनुष से तीर चला सकता हूँ."

विल्फ्रेड ने उत्तर दिया, "मेरा धनुष टोपियों पर निशाना साधने के लिए काफी बड़ा है - विशेष रूप से तुम्हारी जैसी टोपियों के लिए." और फिर उसने एक तीर चलाया. ज़र्र! ... उसने बार्थोलोम्यू के माथे को छुआ और उसकी टोपी को उड़ा दिया. और फिर वो मुंडेर के ऊपर से दूर तक उड़ गया. लेकिन उसके सिर पर एक और टोपी दिखाई दी. ज़र्र! . .. ज़र्र!... ज़र्र!... तीर उड़ते रहे... जब तक कि ग्रैंड ड्यूक के तीरों से भरा पूरा थैला खत्म नहीं हो गया. पर अभी भी बार्थोलोम्यू के सिर पर एक टोपी रखी हुई थी.

"यह उचित नहीं है," ग्रैंड ड्यूक चिल्लाया. "यह सही नहीं है!" उसने अपना धनुष नीचे फेंका और उस पर प्रहार किया.

"एक सौ चौवन टोपियाँ!" सर अलारिक ने गिनती की.

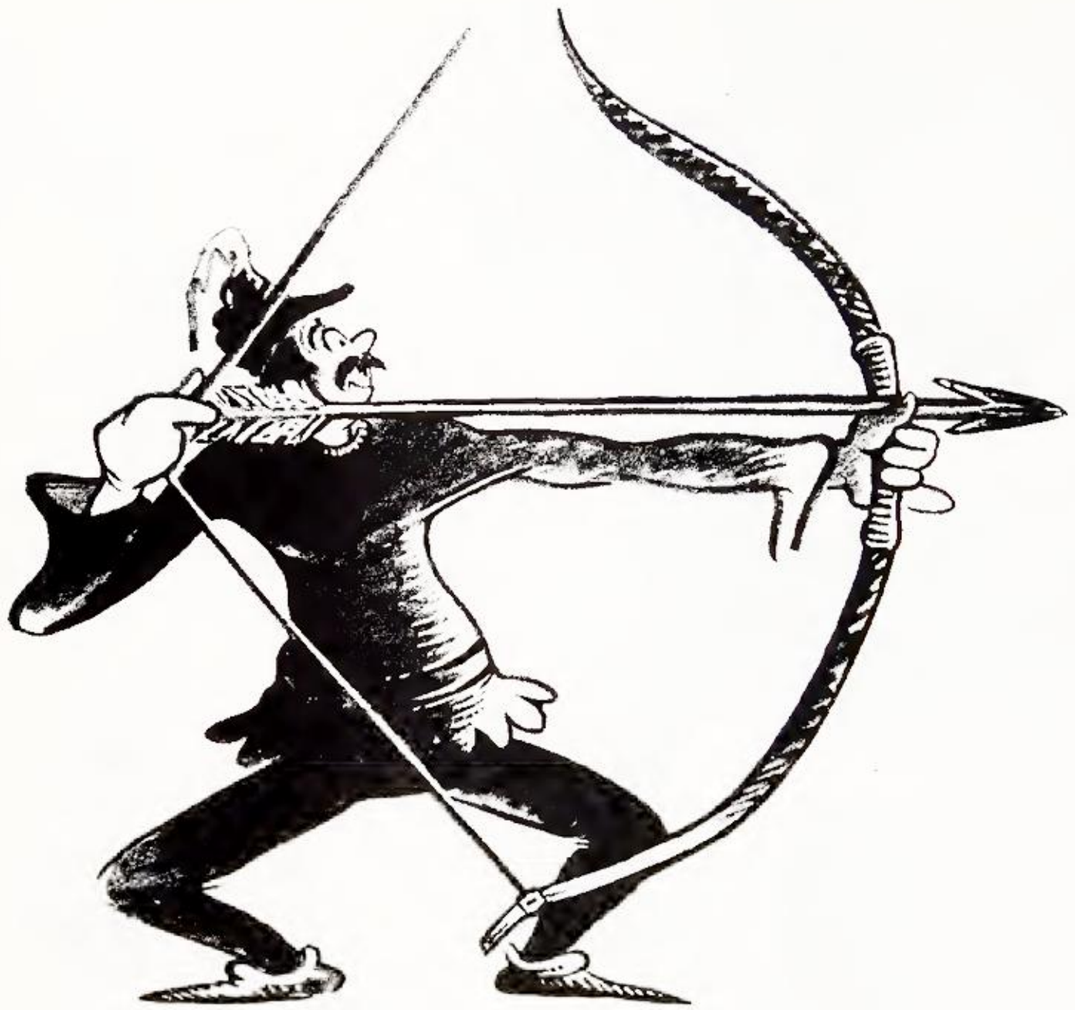

"ये टोपियाँ मुझे पागल कर रही हैं!" राजा की आवाज़ पूरे महल में गूँज उठी. "मैं एक बच्चे के धनुष और बाण के साथ समय क्यों बर्बाद करूं. मेरे सामने पूरे राज्य में सबसे धुरंदर धनुष-बाण चलाने वाले को हाज़िर करो - बाउमेन के योमन को लाएँ!"

"बोमेन के योमन," दरबार के सभी सरदारों और महानुभावों की आवाज़ गूंज उठी.

एक विशालकाय आदमी छत पर टहलता हुआ आया. उसका धनुष एक पेड़ की शाखा के समान बड़ा था. तीर बार्थोलोम्यू से दोगुना लंबा और उसकी कलाई से अधिक मोटा था.

"बाउमेन के योमन," राजा ने कहा, "इस लड़के की टोपी पर तीर मारो... और टोपी को उतार दो!"

बार्थोलोम्यू इतनी ज़ोर से कांप रहा था कि वह मुश्किल से सीधा खड़ा हो पा रहा था. योमन ने अपना शक्तिशाली धनुष वापस झुकाया.

जी—आर—आर—जिब!... एक पागल विशाल ततैया की तरह, तीर हवा में बार्थोलोम्यू कबिन्स की ओर गया.

जी—आर—आर—ज़प्प!... तेज तीर का सिरा उसकी टोपी को आर-पार हो गया और वो टोपी को पूरे आधे मील तक उड़ाता हुआ ले गया.

जी—आर—आर—ज़ोप्प! ... वह एक ओक के पेड़ के बीचोबीच जाकर धंस गया. फिर भी बार्थोलोम्यू के सिर पर एक और टोपी बैठी थी.

बाउमेन के योमन का चेहरा महल की दीवारों की तरह सफेद हो गया. "यह काला जादू है!" वह चिल्लाया.

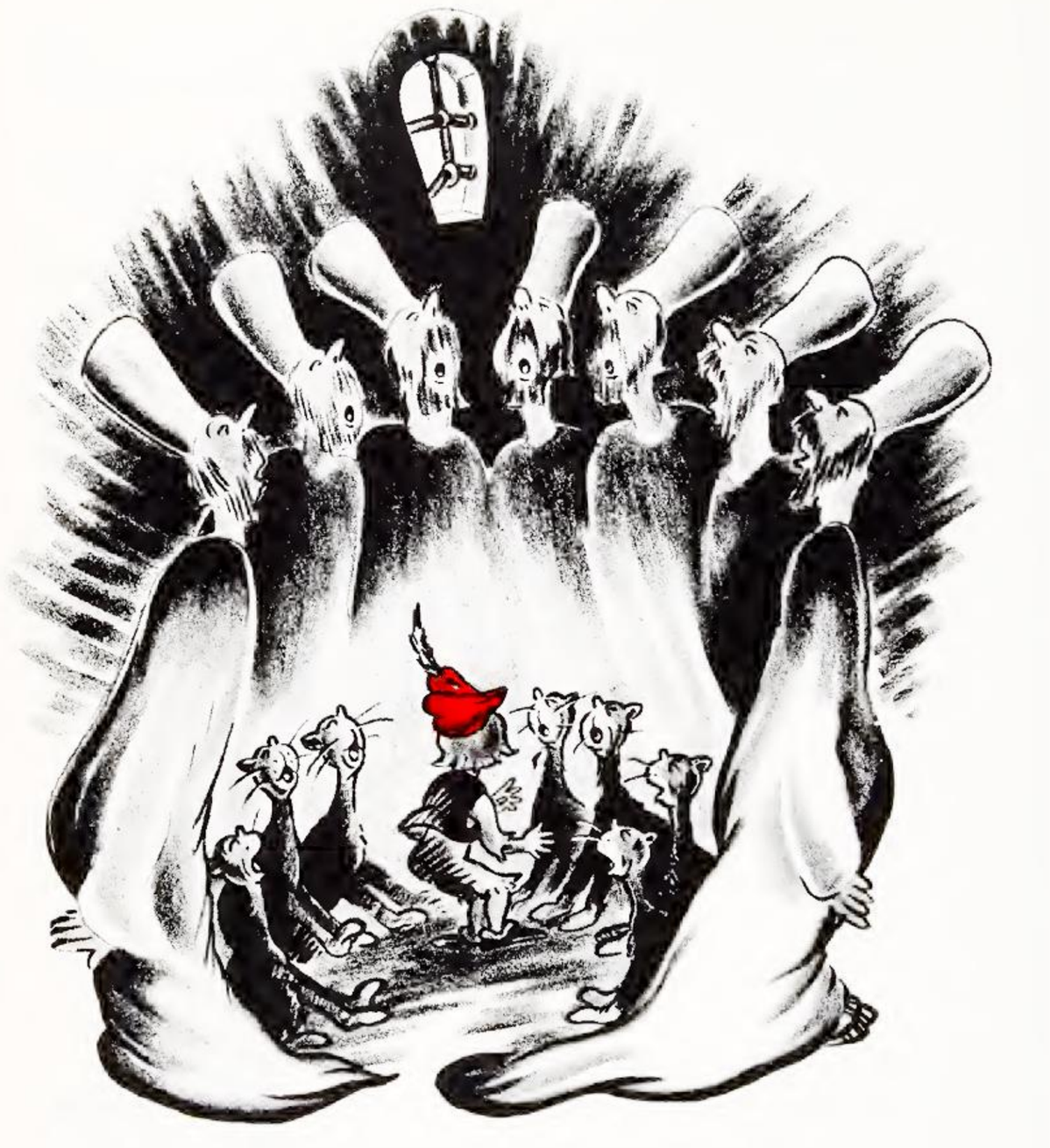

"मुझे भी वो काला जादू, लगता है. वो बस वही है," राजा ने राहत की सांस ली. "मुझे उसके बारे में पहले सोचना चाहिए था. उससे काम सरल हो जाता. सिंहासन कक्ष में वापस! मेरे जादूगरों को बुलाओ!"

पूरे सिंहासन कक्ष में किसी की साँस की आवाज़ सुनाई नहीं पड़ रही थी. लेकिन दक्षिण पश्चिम टॉवर से नीचे की ओर जाने वाली सर्पिल सीढ़ियों से धीमे, गद्देदार पैरों की आवाज़ आ रही थी. जादूगर आ रहे थे! धीमे-धीमे, वे ऐसे शब्द बोल रहे थे जो अजीबो-गरीब थे....

"पांच फर्लांग गहरा एक गड्ढा खोदो,
नीचे जहां रात के सांप रेंगते हो,
रहस्यमय मिट्टी को मिलाओ और ढालो,
माल्बर, बाल्बर, टिडर, टुड!'

सात काली पोशाकधारी जादूगर आये और प्रत्येक के बगल में एक दुबली काली बिल्ली थी. वे गहरी और रहस्यमयी आवाजें निकालते हुए बार्थोलोम्यू कबिन्स के चारों ओर चक्कर लगाने लगे.

राजा ने आदेश दिया, "यह व्यर्थ बड़बड़ाना बंद करो." "मुझे एक ऐसा मंत्र चाहिए जो इस लड़के की टोपी को मंत्रमुग्ध करे."

जादूगर बार्थोलोम्यू के पास इकट्ठा हो गए और चिल्लाने लगे,

"विंकीबस
टिंकीबस
फोटिची
क्ले,
इस राक्षस के सिर की टोपी,
दूर उड़ जा!
चिल्लाओ, लोगों, खूब चिल्लाओ,
खूब चिल्लाओ, खूब चिल्लाओ,
चिल्लाओ, बिल्लियाँ, खूब चिल्लाओ,
खूब चिल्लाओ, खूब चिल्लाओ,
इस राक्षस के सिर की टोपी,
रेंगे, छलाँग लगाए, उछले,
और फिर कभी वापस न आए!"

"एक बहुत अच्छा मंत्र," राजा ने बहुत प्रसन्न होकर कहा. "क्या आपको लगता है कि वो काम करेगा?"

सभी जादूगरों ने एक साथ सिर हिलाया.

"लेकिन," राजा ने हैरान होकर कहा, "ऐसा लगता है कि उसके सिर पर अभी भी एक टोपी है. मन्त्र को काम करने में कितना समय लगेगा?"

"कुछ धीरज रखें, महामहिम, और डरे नहीं," जादूगरों ने कहा.

"हमारा मन्त्र अगले दस वर्षों में जरूर काम करेगा"

"दस साल!" राजा हांफने लगा. "दूर जाओ मूर्खों!" वह चिल्लाया. "मेरी नज़रों से ओझल हो जाओ! मैं उसकी टोपी से छुटकारा पाने के लिए दस साल तक इंतज़ार नहीं कर सकता. अब बताओ मैं क्या कर सकता हूँ... मैं भला क्या कर सकता हूँ?"

"अगर मैं राजा होता," ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड ने फुसफुसाया, "तो मैं उसका सिर काट देता."

"वो एक भयानक विचार है," राजा ने अपने होंठ चबाते हुए कहा. "लेकिन मुझे डर है कि अब मुझे वही करना पड़ेगा."

"युवा लड़के," राजा ने बार्थोलोम्यू कबिन्स से कहा, और उन्होंने कमरे के अंत में एक छोटे से दरवाजे की ओर इशारा किया, "उन सीढ़ियों से कालकोठरी तक उतरो और जल्लाद से कहो कि वो तुम्हारा सिर काट दे."

बार्थोलोम्यू का दिल डूब गया, लेकिन उसने वैसा ही किया जैसा राजा ने आदेश दिया था. "मुझे अपनी टोपी उतारनी होगी," लंबी काली सीढ़ी से नीचे उतरते हुए उसने खुद से कहा. "यह मेरा आखिरी मौका है."

एक के बाद एक टोपी उसने अपने सिर से टोपियां नीचे फेंकीं "... 156... 157 ... 158 ..." इससे ठंडक और अधिक बढ़ गई. "...217...218...219..." नीचे.. . नीचे नीचे. ".. 231 ... 232 ... 233 .. बार्थोलोम्यू को ऐसा लग रहा था कि वह पहाड़ के ठीक ऊपर हो.

"वहाँ कौन है?" अँधेरे से एक आवाज आई.

बार्थोलोम्यू घूमा और फिर उसने कालकोठरी में कदम रखा.

जल्लाद सीटी बजा रहा था और अपनी कुल्हाड़ी बेकार में घुमा रहा था, क्योंकि उस समय उसके पास करने को और कुछ नहीं था. अपने व्यवसाय के बावजूद, वह वास्तव में एक बड़ा ही खुशमिज़ाज़ आदमी लग रहा था.

बार्थोलोम्यू ने कहा, 'राजा कहते हैं कि आपको मेरा सिर काटना होगा.'

"ओह, मुझे वो करने से नफरत होगी," जल्लाद ने मित्रवत मुस्कान के साथ उसकी ओर देखते हुए कहा. "मुझे तुम एक बहुत अच्छे लड़के लगते हो."

"ठीक है... राजा कहते हैं कि आपको वो करना ही होगा," बार्थोलोम्यू ने कहा, "इसलिए कृपया काम को जल्दी ख़त्म करें."

"ठीक है," जल्लाद ने आह भरी, "लेकिन उससे पहले तुम्हें अपनी टोपी उतारनी होगी."

"क्यों?" बार्थोलोम्यू ने पूछा.

"मुझे नहीं पता," जल्लाद ने कहा, "लेकिन यह यहाँ के नियमों में से एक है. मैं टोपी पहने हुए किसी को भी फांसी नहीं दे सकता हूँ."

"ठीक है," बार्थोलोम्यू ने कहा, "आप कृपा मेरे लिए मेरी इस टोपी को उतार दें."

जल्लाद चॉपिंग ब्लॉक पर झुका और उसने बार्थोलोम्यू की टोपी उतारी.

"यह क्या है?" जैसे ही एक और टोपी बार्थोलोम्यू के सिर पर दिखाई दी. जल्लाद अपने मुखौटे के छेदों से पलकें झपकाते हुए हांफने लगा. उसने एक टोपी उतारी... फिर दूसरी और तीसरी.

"बाप रे!" जल्लाद अपनी कुल्हाड़ी फर्श पर फेंकते हुए गुर्राया. "मैं तुम्हें बिल्कुल भी फाँसी नहीं दे सकता." और उसने बार्थोलोम्यू से हाथ मिलाया और उसे वापस ऊपर राजा के पास भेज दिया.

राजा सिंहासन पर बैठकर झपकी ले रहा था. "तुम यहाँ वापस आकर क्या कर रहे हो?" राजा ने जागने पर क्रोधित होकर बार्थोलोम्यू से कहा.

“मुझे क्षमा करें, महामहिम,'' बार्थोलोम्यू ने समझाया. ''मेरा सिर टोपी के साथ नहीं काटा जा सकता है. .. . यह नियमों के विरुद्ध है."

"तो यह नहीं हो सकता," राजा ने थके हुए ढंग से पीछे झुकते हुए कहा. "बताओ, अब कुल मिलाकर कितनी टोपियाँ बनती हैं?"

बार्थोलोम्यू ने उत्तर दिया, "जल्लाद ने 13 को नीचे गिराया... और मैंने 178 अन्य टोपियों को कालकोठरी की सीढ़ियों पर छोड़ दिया."

"तीन सौ छियालीस टोपियाँ," सर अलारिक अपने बहीखाते के पीछे से बुदबुदाए.

"अंकल डर्विन," ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड ने चिल्लाते हुए कहा, "मुझे लगता है कि हमें उससे छुटकारा पाना होगा. उसे सबसे ऊंचे बुर्ज पर भेजो और फिर मैं व्यक्तिगत रूप से, उसे मीनार से धक्का देकर नीचे गिरा दूंगा."

"विलफ्रेड! मैं तुम पर आश्चर्यचकित हूं," राजा ने कहा. "लेकिन मुझे लगता है कि वो एक अच्छा विचार है."

इसलिए राजा और ग्रैंड ड्यूक, बार्थोलोम्यू कबिन्स को सबसे ऊंचे बुर्ज की ओर ले गए.

बार्थोलोम्यू बुर्ज की सीढ़ियों के पीछे-पीछे ऊपर-ऊपर चढ़ता गया.

"यह मेरा आखिरी-मेरा आखिरी मौका है," बार्थोलोम्यू ने सोचा. उसने अपनी टोपी उतार कर फेंकी. "तीन सौ सैंतालीस!" उसने दूसरी टोपी उतारी. उसने खींचा और उसने उसे भी अपने पीछे फेंक दिया. "... 398 .. 399. टोपियाँ उतारते-उतारते उसकी बाँहों में दर्द होने लगा. लेकिन फिर भी सर पर टोपियाँ आती गईं. बार्थोलोम्यू सीढ़ियाँ चढ़ता गया.

..448...449. . 450 . . सर अलारिक ने अपने पीछे सीढ़ियाँ चढ़ते हुए गिनती की.

अचानक सर अलारिक रुक गये. उन्होंने गौर से देखा. उन्होंने अपना तिकोना चश्मा उतारा और उसे अपनी आस्तीन से पोंछा. और उन्होंने फिर से देखा. अब टोपियाँ बदलने लगीं थीं! टोपी 451 में एक नहीं, बल्कि दो पंख लगे थे! टोपी 452 में तीन पंख थे. . . और 453 में तीन पंख और एक छोटा लाल माणिक पत्थर भी था! प्रत्येक नई टोपी पिछली टोपी की तुलना में अधिक आकर्षक थी.

"महामहिम! महामहिम!" सर अलारिक चिल्लाए.

लेकिन राजा और ग्रैंड ड्यूक इतने ऊपर थे कि वे उनकी बात सुन नहीं पाए. वे पहले ही सबसे ऊँचे बुर्ज की चोटी पर पहुँच चुके थे. बार्थोलोम्यू ठीक उनके पीछे चल रहा था.

"यहाँ से सीधे कदम बढ़ाओ और उस दीवार पर जाकर खड़े हो जाओ." ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड ने कहा, "अब मैं तुम्हें नीचे धक्का देने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता."

लेकिन जब बार्थोलोम्यू ने दीवार पर कदम रखा तो वे आश्चर्यचकित रह गए. उसने सबसे सुंदर टोपी पहनी हुई थी जो पूरे डिड साम्राज्य में कभी किसी ने नहीं देखी थी. उसकी टोपी में राजा के पास मौजूद किसी भी माणिक से भी बड़ा माणिक जड़ा था. उसमें शुतुरमुर्ग के पंख, और कॉकटू के पंख, और मॉकिंग-बर्ड के पंख, और स्वर्ग के पंख सजे थे. ऐसी टोपी के आगे राजा का मुकुट भी फीका लग रहा था.

ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड ने एक त्वरित कदम आगे बढ़ाया. बार्थोलोम्यू को लगा कि आख़िरकार अब उसका अंत आ गया था.

"रुको!" राजा चिल्लाया. वह शानदार टोपी से अपनी नज़रें नहीं हटा पा रहे थे.

"मैं और इंतजार नहीं करूंगा," ग्रैंड ड्यूक ने राजा से कहा. "मैं उसे धक्का देने जा रहा हूँ? अब! उसकी नई बड़ी टोपी मुझे पहले से भी अधिक पागल बना रही है." और उसने बार्थोलोम्यू को धक्का देने के लिए अपनी बाहें फैलाईं.

लेकिन राजा विल्फ्रेड से उससे तेज़ निकले. उन्होंने पीछे से उसका कॉलर पकड़ लिया. "मैं तुम्हें शिष्टाचार का सबक सिखाना चाहता हूँ," महामहिम ने सख्ती से कहा, "कि ग्रैंड ड्यूक कभी भी अपने राजा से हुज्जत नहीं करते हैं." फिर राजा ने ग्रैंड ड्यूक विल्फ्रेड को अपने घुटने पर घुमाया और उसकी शाही रेशम पैंट की सीट पर एक ज़ोर से थप्पड़ मारा.

"और अब," बार्थोलोम्यू को दीवार से नीचे उठाते हुए राजा मुस्कुराया, "बड़ा अच्छा होगा यदि तुम मुझे वह अद्भुत टोपी बेचोगे!"

"... 498 ... 499 .. सर अलारिक की थकी हुई आवाज फूट पड़ी. वो अभी-अभी सीढ़ियों के शीर्ष पर पहुंचे थे, "और वह ..." उन्होंने बार्थोलोम्यू के सिर पर टोपी की ओर इशारा किया, "बिल्कुल सही लगता है 500!"

"पांच सौ!" राजा चिल्लाया. "क्या तुम इस टोपी को 500 सोने की मोहरों में बेचोगे?"

"आप जो भी कहेंगे, महामहिम," बार्थोलोम्यू ने उत्तर दिया. "क्योंकि... मैंने पहले कभी कोई टोपी नहीं बेची है."

जैसे ही राजा ने टोपी की ओर हाथ बढ़ाया, उनका हाथ खुशी से कांपने लगे.

धीरे-धीरे, बार्थोलोम्यू को अपने सिर से बड़ी टोपी का भार हल्का होता हुआ महसूस हुआ. उसने अपनी सांस रोक ली. . . . तभी अचानक उसे शाम की ठंडी हवाएँ अपने बालों से गुज़रती हुई महसूस हुईं. उसके चेहरे पर ख़ुशी की मुस्कान बिखर गई. अब बार्थोलोम्यू कबिन्स का सिर नंगा था!

"देखिए, महामहिम! देखिए!" उसने राजा से चिल्लाकर कहा.

"नहीं! तुम मेरी ओर देखो," राजा ने उत्तर दिया. और फिर उन्होंने बड़ी टोपी ठीक से अपने मुकुट के ऊपर पहन ली.

फिर हाथ में हाथ डाले, राजा और बार्थोलोम्यू सोने की मोहरें गिनने के लिए खजाने वाले कक्ष में गए. फिर राजा ने बार्थोलोम्यू को उसके माता-पिता के पास घर भेज दिया... अब उसके हाथ में अब कोई टोकरी नहीं थी, उसके सिर पर कोई टोपी नहीं थी, लेकिन एक बैग में सोने की पांच सौ मोहरें थीं.

और राजा ने आदेश दिया कि जो टोपी उसने खरीदी थी, और अन्य सभी टोपियाँ भी, उसके सिंहासन के पास एक बड़े कांच के केस में हमेशा के लिए रखा जाए.

लेकिन न तो बार्थोलोम्यू कबिन्स, न ही राजा डर्विन, और न ही डिड साम्राज्य में कोई भी यह बता सका कि वो अजीब घटना कैसे हुई. वे केवल यही कह सकते थे कि यह बस "घटी" और उसके दोबारा घटने की बहुत अधिक संभावना नहीं थी.

अंत